पाठ्यक्रम का पुनर्संयोजन

उ०प्र० माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद, लखनऊ

(प्रथमा से उत्तर मध्यमा स्तर सत्र 2023-24 से प्रभावी)

संस्कृत भवन, 2-शाहमीना रोड, चौक
लखनऊ – 226003

प्रथमा–I (कक्षा–6)

विषय – हिन्दी (पुस्तक का नाम – अक्षरा)

क्र0सं0	पाठ का नाम	विधा	लेखक / कवि
1	वीर महान	कविता	सुमित्रा नन्दन पंत
2	अपना स्थान स्वयं बनाइए	कहानी	कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर
3	आप भले तो जग भला	निबन्ध	श्रीमन्नारायण
4	नीति के दोहे	कविता	कबीर, रहीम
5	मेरी माँ	आत्मकथा	रामप्रसाद 'बिस्मिल'
6	क्यों–क्यों लड़की	कहानी	महाश्वेता देवी
7	माँ कह एक कहानी	कविता	मैथिलीशरण गुप्त
8	हार की जीत	कहानी	सुदर्शन
9	हिन्द महासागर में एक छोटा–सा हिन्दुस्तान	यात्रावृत्त	रामधारी सिंह 'दिनकर'
10	ईदगाह	कहानी	प्रेमचन्द
11	समर्पण	कविता	रामावतार त्यागी
12	साप्ताहिक धमाका	कहानी	डॉ0 हरिकृष्ण देवसरे
13	अमर शहीद भगत सिंह के पत्र	पत्र	भगत सिंह
14	लोकगीत	निबन्ध	डॉ0 भगवत शरण उपाध्याय
15	खग, उड़ते रहना	कविता	गोपालदास 'नीरज'
16	कौन बनेगा सिंगथऊ (राजा)	मणिपुरी लोक कथा	–
17	बादल चले गए वे	कविता	त्रिलोचन
18	बहादुर बेटा	एकांकी	विष्णु प्रभाकर
19	इसे जगाओ	कविता	भवानी प्रसाद मिश्र
20	छिपा रहस्य	कहानी	क्वेंटीन रेनाल्ड
21	आओ फिर से दिया जलाएं	कविता	अटल बिहारी बाजपेयी

व्याकरण :–

- वर्णक्रम, सयुंक्ताक्षर, शब्द सम्पदा– पर्यायवाची, विपरीतार्थक, अनेकार्थक शब्द
- संज्ञा एवं संज्ञा के प्रकार
- सर्वनाम, क्रिया, विशेषण शब्द
- अनुस्वार एवं अनुनासिक का प्रयोग
- 'र' के विविध रूपों का प्रयोग
- वाक्य निर्माण– सरल, संयुक्त, मिश्रित वाक्य
- विराम चिह्नों की पहचान एवं उपयोग
- शुद्ध वर्तनी का प्रयोग
- मुहावरे एवं लोकोक्तियों का प्रयोग

सहायक पुस्तक : महान व्यक्तित्व, बाल राम कथा (एन0सी0ई0आर0टी0 प्रकाशन)

प्रश्नपत्र : पाठ्य विषय वस्तु से प्रश्न – 50 अंक
व्याकरण से सम्बन्धित प्रश्न – 50 अंक

विषय – अंग्रेजी

(पाठ्यवस्तु जो पढ़ाये जाने योग्य है)

○ STORY	○ The Donkey And The Dog. ○ Celebrating Independence Day. ○ The Honest Woodcutter. ○ Netaji Subhash Chandra Bose. ○ The Kind Prince.
○ POEM	○ Learning Together. ○ I Wise I Could. ○ Little Things.
○ GRAMMAR	○ Alphabet Board. ○ Words and sentences. ○ Noun. ○ Pronoun. ○ Verb. ○ Articles ○ Make Sentences. ○ Tenses (Is/Am/Are And Was/Were, Has/Have/Had) ○ Application. ○ Short Essay.

विषय – विज्ञान

दैनिक जीवन में विज्ञान (सम्पूर्ण पाठ)	• पदार्थ एवं पदार्थ के समूह– • पदार्थ के वर्गीकरण की आवश्यकता एवं इनका आधार • अवस्था के आधार पर वर्गीकरण, जल में घुलनशीलता के आधार पर वर्गीकरण, पारदर्शिता के आधार पर वर्गीकरण, चुम्बक के सापेक्ष व्यवहार के आधार पर वर्गीकरण • अणु एवं परमाणु का संक्षिप्त परिचय
पदार्थों का पृथक्करण	• तत्व, यौगिक एवं मिश्रण • मिश्रण के प्रकार • पृथक्करण की आवश्यकता • पृथक्करण की सामान्य विधियां उर्ध्वपातन, वाष्पीकरण, क्रिस्टलीकरण, चुम्बकीय पृथक्करण, अपकेन्द्रण आसवन, क्रोमैटोग्राफी
	• पास–पड़ोस में होने वाले परिवर्तन

	• विभिन्न प्रकार के परिवर्ततन– प्रत्यावर्तित तथा अप्रत्यावर्तित, भौतिक एवं रासायनिक • परिवर्तन होने वाली आपसी प्रतिक्रियाएं • परिवर्तन के लिए ऊर्जा की आवश्यकता
	• जीव जगत– (सम्पूर्ण पाठ) • जीवों में अनुकूलन– (सम्पूर्ण पाठ) • भोजन एवं स्वास्थ्य– (सम्पूर्ण पाठ) • स्वास्थ्य एवं स्वच्छता– (सम्पूर्ण पाठ) • मापन– (सम्पूर्ण पाठ) • गति • कार्य तथा ऊर्जा • कार्य तथा ऊर्जा की अवधारणा • ऊर्जा एवं कार्य में सम्बन्ध • ऊर्जा के विभिन्न रूप • प्रकाश (सम्पूर्ण पाठ)
	• कम्प्यूटर • कम्प्यूटर की परिभाषा एवं गुण • कम्प्यूटर का विकास • कम्प्यूटर के प्रकार • हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर • कम्प्यूटर के उपयोग

विषय – गणित

• इकाई–1 प्राकृतिक संख्याएं	• प्राकृतिक संख्याएं, संख्या रेखा का ज्ञान तथा इस पर प्राकृतिक संख्याओं को दर्शाना, पूर्ववर्ती एवं उत्तरवर्ती संख्याओं का बोध कराना।
• पूर्ण संख्याएं	• पूर्ण संख्याएं, क्रमागत पूर्ण संख्याएं
• पूर्णांक	• पूर्णांक की संकल्पना, पूर्णांकों का निरपेक्ष मान, कोष्ठकों का प्रयोग एवं प्रकार, संख्या रेखा पर पूर्णांक का निरूपण, BODMAS नियम
• सांख्यिकी	• सांख्यिकीय आंकड़े एवं उनकी विशेषताएं, आंकड़ों को एकत्र करना, व्यवस्थित करना तथा उनका वर्गीकरण करना, अवर्गीकृत आंकड़ों की बारम्बारता सारणी बनाना, अवर्गीकृत आंकड़ों के चित्र ग्राफ (पिक्टोग्राफ) बनाना, अवर्गीकृत आंकड़ों के बार ग्राफ बनाना, अवर्गीकृत आंकड़ों का दण्ड आरेख (बार ग्राफ) बनाना।
• बीजगणितीय अवधारणा	• संख्याओं को दर्शाने के लिए अक्षरों की आवश्यकता एवं प्रयोग, संख्याओं और अक्षर संख्याओं की घात, चर और अचर संख्याएं।

• बीजीय व्यंजक	• व्यंजकों के पद, पदों के गुणनखण्ड एवं गुणांक, सजातीय और विजातीय पद, व्यंजकों की डिग्री एक, दो एवं त्रिपदीय व्यंजकों की अवधारणा, बीजीय व्यंजकों का जोड़ एवं घटाना, बीजीय व्यंजकों का मान ज्ञात करना।
• ज्यामितीय अवधारणाएं	• बिन्दु, संरेख बिन्दु (एक रेखीय बिन्दु) एक बिन्दुगामी रेखाएं, तल (समतल) के गुण बंद और खुली आकृतियां।
• कोण	• कोण की अवधारणा, कोण की माप (अंश में) कोण के प्रकार, पटरी परकार की सहायता से 60^0 और 120^0 कोणों की रचना।
• लम्ब और समान्तर रेखायें	• लम्ब और समान्तर रेखाओं की अवधारणा, दो रेखाओं और एक लिपिक रेखा द्वारा बने कोणों के नाम एवं गुण, पटरी तथा गुनिया की सहायता से समान्तर रेखायें खीचना।
• लघुत्तम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्तक	• लघुत्तम समापवर्त्य तथा महत्तम समापवर्तक के मध्य सम्बन्ध लघुत्तम समापवर्त्य तथा महत्तम समापवर्तक का दैनिक जीवन में उपयोग। • अपवर्तक, अपवर्त्य, अपवर्तक, समापवर्तक तथा महत्तम समापवर्तक (म0स0) तथा अपवर्त्य, समापवर्त्य लघुत्तम समापवर्त्य (ल0स0)
• समीकरण एक चर में	• समीकरण हल करने की उपयुक्त विधि, समीकरण को हल करने की पक्षान्तर विधि।
• वाणिज्य गणित	• अनुपात, समानुपात, प्रतिशतता, लाभ प्रतिशत, हानि प्रतिशत, साधारण ब्याज।
• त्रिभुज	• त्रिभुज के प्रकार, त्रिभुज की रचना, आकृतियों की समरूपता • आकृतियों की सर्वांगसमता
• वृत्त	• वृत्त की अवधारणा, वृत्त की त्रिज्या, व्यास, जीवा तथा चाप, अर्धवृत्त, वृत्तखंड एवं त्रिज्यखण्ड
• सममितता	• एक तलीय (2–0) ज्यामितीय आकृतियों का निरीक्षण करके सममितता की रेखा खिंचवाना तथा परावर्तित सममितता का बोध।
• क्षेत्रमिति (मेन्सुरेशन)	• घनाभ एवं घन का आयतन (सूत्र की सहायता से)
• गुणाः उर्ध्वातिर्यक विधि द्वारा	• गुणा उर्ध्वतिर्यक विधि द्वारा।

विषय – सामाजिक विज्ञान

इतिहास	1. कैसे पता करें कब क्या हुआ था? (इतिहास जानने के स्रोत) 2. पाषाण काल (आखेटक, संग्राहक एवं उत्पादक मानव) 3. नदी घाटी की सभ्यता– हड़प्पा सभ्यता 4. वैदिक काल (1500 ई0पू0 से 600 ई0पू0) 5. छठी शताब्दी ई0पू0 का भारत– धार्मिक आंदोलन 6. महाजनपद की ओर 7. मौर्य साम्राज्य की ओर 8. गुप्तकाल (पाठ 08 में गुप्त वंश रखा जाये)

	9. पुष्पभूति वंश 10 राजपूत काल (सातवीं से ग्यारहवीं शताब्दी)
नागरिक भाास्त्र	1. सभी जन एक हैं। 2. ग्रामीण स्थानीय स्वशासन 3. क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत 4. नगरीय स्वशासन 5. जिला प्रशासन 6. यातायात एवं सुरक्षा
भूगोल	1. हमारा सौर मण्डल 2. पृथ्वी और चन्द्रमा 3. ग्लोब– अक्षांश एवं देशान्तर 4. पृथ्वी की गतियाँ 5. मानचित्रण 6. पृथ्वी के परिमण्डल 7. विश्व में भारत 8. भारत का भौतिक स्वरूप 9. हमारा प्रदेश : उत्तर प्रदेश

प्रथमा–II (कक्षा–7)

हिन्दी : पुस्तक का नाम – दीक्षा

क्र0सं0	पाठ का नाम	विधा	लेखक / कवि
1	जागो जीवन के प्रभात	कविता	जयशंकर प्रसाद
2	राज धर्म	कहानी	जातक कथा से
3	वीरों का कैसा हो वसन्त	कविता	सुभद्रा कुमारी चौहान
4	बहता पानी निर्मला	यात्रावृत्त	सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
5	निजभाषा उन्नति	कविता	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
6	शाप मुक्ति	कहानी	रमेश उपाध्याय
7	बाललीला	कविता	सूरदास, तुलसीदास
8	स्कूल मुझे अच्छा लगा	जापानी उपन्यास अंश	तेत्सुकों कुरोयानागी
9	मेघा बजे, फूले कदम्ब	कविता	नागार्जुन
10	सत्साहस	निबन्ध	गणेश शंकर 'विद्यार्थी'
11	कलम आज उनकी जय बोल	कविता	रामधारी सिंह 'दिनकर'
12	स्वतन्त्र भारत के परमवीर	लेख	विभागीय
13	जिनके हम मामा हैं	व्यंग्य	शरद जोशी
14	भविष्य का भय	कहानी	आशापूर्णा देवी
15	मनभावन सावन	कविता	सुमित्रानन्दन पंत
16	क्या निराश हुआ जाय	निबन्ध	हजारीप्रसाद द्विवेदी
17	वरदान माँगूगा नहीं	कविता	शिवमंगल सिंह सुमन
18	कर्तव्यपालन	एकांकी	रामनरेश त्रिपाठी
19	मैं कवि कैसे बना	आत्मकथा	गोपालप्रसाद व्यास
20	एक संसद नदी की	रिपोर्ताज	दैनिक समाचार 'हिन्दुस्तान' से राजेन्द्र सिंह
21	भारतरत्न महामना मदन मोहन मालवीय	जीवनी	विभागीय

व्याकरण :–

- संज्ञा, सर्वनाम एवं उसके प्रकार
- विशेषण और उसके भेद
- विशेष्य, क्रियाविशेषण
- वाक्य रचना– सरल, मिश्रित एवं संयुक्त वाक्य
- विराम चिह्नों एवं उनका प्रयोग
- वचन एवं लिंग का प्रयोग
- सहायक क्रिया एवं मुख्य क्रिया
- तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी शब्द
- वाक्यांश के लिए एक शब्द
- शब्द सम्पदा– समानार्थी, विपरीतार्थी, पर्यायवाची, अनेकार्थी शब्द
- उपसर्ग एवं प्रत्यय
- शब्द-युग्म, समास, मुहावरे, लोकोक्तियाँ

सहायक पुस्तक : भारत की महान विभूतियां, बाल महाभारत कथा (एन0सी0ई0आर0टी0 प्रकाशन)

प्रश्नपत्र : पाठ्य विषय वस्तु से प्रश्न– 50 अंक
व्याकरण से सम्बन्धित प्रश्न– 50 अंक

विषय –अंग्रेजी

(पाठ्यवस्तु जो पढ़ाये जाने योग्य है)

○ STORY	○ The Holy Ganga. ○ Mahatma Gandhi. ○ A Courageous Act. ○ Florence Nightingle. ○ Save Water, Save Life
○ POEM	○ Thank You God. ○ Little Birdie. ○ The Adorable Mother.
○ GRAMMAR	○ Parts of Speech. ○ Articles. ○ Tenses. ○ Types of Sentences. ○ Make Sentences. ○ Application Writing. ○ Paragraph Writing.

विषय – विज्ञान

1	पदार्थ की संरचना एवं प्रकृति– सम्पूर्ण पाठ
2	ऊष्मा एवं ताप– (सम्पूर्ण पाठ)
3	पौधों में पोषण– (सम्पूर्ण पाठ)
4	जन्तुओं में पोषण– (सम्पूर्ण पाठ)
5	जीवों में श्वसन
6	जन्तुओं एवं पौधों में परिवहन– (सम्पूर्ण पाठ)
7	जीवों में उत्सर्जन– (सम्पूर्ण पाठ)
8	पौधों में जनन– (सम्पूर्ण पाठ)
1	ध्वनि– (सम्पूर्ण पाठ)
2	ऊर्जा– (सम्पूर्ण पाठ)
3	प्रकाश– (सम्पूर्ण पाठ)
4	बल एवं यन्त्र– (सम्पूर्ण पाठ)
5	स्थिर विद्युत– (सम्पूर्ण पाठ)
6	जल – (सम्पूर्ण पाठ)
7	वायु– (सम्पूर्ण पाठ)
8	कम्प्यूटर– (सम्पूर्ण पाठ)

विषय – गणित

• परिमेय संख्याएं	• परिमेय संख्याओं की अवधारणा, दो क्रमागत पूर्णांकों के मध्य में परिमेय संख्याएं, समतुल्य परिमेय संख्याएं।
• घातांक	• घातांक के नियम, परिमेय संख्याओं को घात द्वारा व्यक्त करना, धनात्मक एवं ऋणात्मक घातांक।
• सांख्यिकी	• केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप तथा इसके प्रकार, समान्तर माध्य की गणना
• रचनाएं	• पटरी एवं परकार की सहायता से– • दिए हुए रेखा खण्ड को समद्विभाजित करना, दिये हुए कोण के बराबर कोण की रचना करना, दिए हुए कोण को समद्विभाजित करना, दी हुई रेखा के समान्तर रेखा खींचना। • दिए गए रेखा खण्ड पर दिए गए बिन्दु से लम्ब खीचना, जबकि () बिन्दुरेखा खण्ड पर स्थित हो। • (इ) बिन्दु रेखा खण्ड के बाहर हो।
• त्रिभुज	• पाइथागोरस प्रमेय की अवधारणा, पाइथागोरियन त्रिक, भिन्न–भिन्न शर्तों के आधार पर त्रिभुजों की रचना, त्रिभुज के शीर्षलम्ब, लम्बकेन्द्र, त्रिभुज की माध्यिकायें एवं केन्द्रक त्रिभुज की लम्बार्धक एवं परिकेन्द्र।
• रेखीय समीकरण	• रेखीय समीकरण और उनका हल, रेखीय समीकरणों पर आधारित वार्तिक प्रश्न।
• वाणिज्य गणित	• समानुपात, कर (Tax) एवं कर के प्रकार, चक्रवृद्धि ब्याज का अर्थ। • अनुलोम और प्रतिलोम समानुपात • चक्रवृद्धि मिश्रधन एवं चक्रवृद्धि ब्याज ज्ञात करना, चक्रवृद्धि मिश्रधन का सूत्र तथा उसका अनुप्रयोग।
• व्यंजकों का गुणनफल एवं सर्वसमिकाएं	• व्यंजकों का गुणनफल सर्वसमिकाएँ : • $(a+b)2 = a2+2ab+b2$ • $(a-b)2 = a2-2ab+b2$ • $(a+b)(a-b) = a2-b2$ • समीकरण एवं सर्व समिकाओं में अन्तर
• व्यंजकों का गुणनखण्ड	• $(ax+ay)$ प्रकरण के व्यंजक के गुणनखड, $(ax2+ay2+bx2+by2)$ प्रकार के व्यंजक के गुणनखण्ड
• चतुर्भुज	• चतुर्भुज एवं इसके विभिन्न अंग, चतुर्भुज के प्रकार।
• वृत्त	• अर्धवृत्त का कोण समकोण होता है, चाप के सम्मुख केन्द्र पर बना कोण, उसी चाप द्वारा शेषवृत्त के किसी बिन्दु पर बने कोण का दूना होता है। • एक ही वृत्तखण्ड के कोण बराबर होते हैं।
• क्षेत्रमिति (मेंसुरेशन)	• आयताकार मार्ग का क्षेत्रफल, त्रिभुजाकार क्षेत्र का क्षेत्रफल। • घन एवं घनाभ का सम्पूर्ण पृष्ठ।
• मानसिक अभ्यास	• निर्धारित क्रम (Pattern) को बढ़ाना, रिक्त स्थानों की संख्या ढूंढ़ना, वैदिक विधि द्वारा।

	• भाग : वैदिक विधि द्वारा

विषय – सामाजिक विज्ञान

इतिहास	इतिहास • सल्तनत (सुल्तनत) काल की शुरूवात • सल्तनत का विस्तार– खिलजी वंश • तुगलक काल (1320ई0–1412ई0) • सल्तनत का विघटन • दक्षिण के राज्य • मुगल सम्राज्य की स्थापना (प्रारम्भिक मुगल शासक) • शेरशाह सूरी (1540 ई0 – 1545 ई0) • अकबर का युग (1556 ई0 से 1605 ई0) • जहाँगीर एवं शाहजहाँ • औरगंजेब • मराठा राज्य का उदय एवं भारत में यूरोपियों का आगमन
नागरिक शास्त्र	• हमारा संविधान • व्यवस्थापिका– कानून बनाना • कार्यपालिका– कानून लागू करना • न्यायपालिका– न्याय प्रदान करना • शब्दावली
भूगोल	• पृथ्वी की आंतरिक संरचना • धरातल के रूप बदलने वाले कारक • वायुमण्डल • वायु की गतियां • समुद्र की गतियां • साहसिक यात्राएं– उत्तरी ध्रुव, दक्षिणी ध्रुव

प्रथमा–III (कक्षा–8)

विषय – हिन्दी : पुस्तक का नाम – दीक्षा

क्र0सं0	पाठ का नाम	विधा	लेखक / कवि
1	वीणावादिनि वर दे	कविता	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला
2	काकी	कहानी	सियाराम शरण गुप्त
3	सच्ची वीरता	निबन्ध	सरदार पूर्ण सिंह
4	पेड़ों के संग बढ़ना सीखो	कविता	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
5	अपराजिता	कहानी	गौरापन्त 'शिवानी'
6	बिहारी के दोहे	कविता	बिहारी
7	जूलिया	एकांकी	अन्तोनचेखोव
8	धानों का गीत	कविता	केदारनाथ सिंह
9	हिन्दी विश्वशांति की भाषा है	साक्षात्कार	रत्नावली कौशिक
10	भक्ति के पद	कविता	मीराबाई, रसखान
11	आत्मनिर्भरता	निबंध	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
12	पहरूए सावधान रहना	कविता	गिरिजाकुमार माथुर
13	जंगल	कहानी	चित्रा मुद्गल
14	कर्मवीर	कविता	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
15	एक स्त्री का पत्र	पत्र	रवीन्द्रनाथ टैगोर
16	सोना	रेखाचित्र	महादेवी वर्मा
17	अमरकंटक से डिंडौरी	यात्रा वृत्तांत	अमृतलाल बेगड़
18	नीड़ का निर्माण फिर–फिर	कविता	हरिवंशराय 'बच्चन'
19	जब मैंने पहली पुस्तक खरीदी	संस्मरण	धर्मवीर भारती
20	झाँसी की रानी	उपन्यास अंश	वृन्दावनलाल वर्मा
21	बस की यात्रा	व्यंग्य	हरिशंकर परसाई
22	खानपान की बदलती तस्वीर	निबन्ध	प्रयाग शुक्ल

व्याकरण:–

- हिन्दी वर्णविचार, शब्दविचार, शब्द स्रोत के आधार पर भेद– तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी शब्द।
- पदभेद– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, एवं अव्यय के भेद, क्रिया– सकर्मक, अकर्मक
- वचन– लिंग का प्रयोग
- वाक्य रचना– वाक्य के भेद (सरल, संयुक्त, मिश्रित वाक्य)
- मुहावरे, लोकोक्तियां
- विराम चिह्नों– प्रमुख विराम चिह्नों की पहचान एवं प्रयोग
- उपसर्ग, प्रत्यय, समानार्थी, विपरीतार्थी, पर्यायवाची शब्द, शब्द–युग्म
- समास, समास के भेद तथा विग्रह
- सन्धि : सन्धि के भेद (स्वर तथा व्यंजन संधियाँ)
- अलंकार– अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति।

सहायक पुस्तक : हमारे आदर्श

प्रश्नपत्र : पाठ्य विषय वस्तु से प्रश्न– 50 अंक
व्याकरण से सम्बन्धित प्रश्न– 50 अंक

विषय – अंग्रेजी

(पाठ्यवस्तु जो पढ़ाये जाने योग्य है)

• STORY	• The Kabuliwallah. • Awesome Assam. • The Missile Man Of India. • A Hero.
• POEM	• Another Chance. • Where Do All Teachers Go? • Planets Roll Call.
• GRAMMAR	• Noun And Its Kinds. • Pronoun And Its Kinds. • Verb And Its Forms. • Adjectives. • Articles. • Tenses. • Sentence And Its Types. • Make Sentences. • Comprehension. • Letter Writing. • Eassy Writing
• CONVERSATION	• World Peace

विषय – विज्ञान

1.	विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति– सम्पूर्ण पाठ
3.	परमाणु की संरचना– सम्पूर्ण पाठ
4.	खनिज एवं धातु– खनिजों का सामान्य परिचय, धातुओं एवं अधातुओं के भौतिक गुण, धातुओं एवं अधातुओं के उपयोग
5.	सूक्ष्य जीवों का सामान्य परिचय एवं वर्गीकरण– सम्पूर्ण पाठ
6.	कोशिका से अंगतंत्र तक– सम्पूर्ण पाठ
7.	जन्तुओं से अंगतंत्र तक– सम्पूर्ण अध्याय
8.	किशोरावस्था– सम्पूर्ण पाठ
9.	दिव्यांगता– सम्पूर्ण पाठ
11.	बल तथा दाब– सम्पूर्ण पाठ
12.	प्रकाश एवं प्रकाश यंत्र– प्रकाश का अपवर्तन, अपवर्तन के नियम, दैनिक जीवन में

	अपवर्तन के उदाहरण, लेन्स, लेन्स के प्रकार (उत्तल एवं अवतल) लेन्स से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण परिभाषाएं प्रतिबिम्ब, प्रकाशिक यंत्र– सूक्ष्मदर्शी एवं दूरदर्शी (उपयोग), मानव नेत्र– दृष्टिदोष एवं उनके निवारण का सामान्य परिचय, प्रिज्म द्वारा प्रकाश का अपवर्तन एवं वर्णक्रम
13. 14. 15. 16.	विद्युत धारा– सम्पूर्ण पाठ चुम्बकत्व– चुम्बक के गुण, चुम्बक के प्रकार एवं उपयोग, चुम्बकीय प्रभाव एवं चुम्बकीय बल रेखाएं, चुम्बकत्व का विद्युत धारा से सम्बन्ध पृथ्वी का चुम्बक की भाँति व्यवहार, ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत– सम्पूर्ण पाठ कम्प्यूटर– सम्पूर्ण पाठ

विषय – गणित

इकाई–1 परिमेय संख्याएं	किसी परिमेय संख्या में परिमेय संख्या से भाग। परिमेय संख्याओं का निरपेक्ष मान। दो परिमेय संख्याओं के मध्य परिमेय संख्याएं। परिमेय संख्या व दशमलव संख्या का परस्पर रूपान्तरण।
वर्गमूल	वर्ग और वर्गमूल की संकल्पना। पूर्णवर्ग संख्या की पहचान कर संख्याओं के वर्ग एवं वर्गमूल के गुणनखण्डों के सम्बन्ध। पूर्णवर्ग संख्या का गुणनखण्ड विधि से वर्गमूल ज्ञात करना। भाग विधि से पूर्णवर्ग संख्या का वर्गमूल ज्ञात करना। दशमलव संख्या का वर्गमूल भाग विधि से। ऐसी संख्याओं का वर्गमूल ज्ञात करना जो पूर्णवर्ग नहीं है।
घनमूल	• घन और घनमूल की संकल्पना। • पूर्ण घन संख्या घनमूल ज्ञात करना (गुणनखण्ड विधि द्वारा)। • पूर्ण घन ऋण पूर्णांकों का घनमूल तथा दो पूर्ण घनपूर्णांकों के गुणनफल का घनमूल। • घनमूल का व्यवहारिक प्रश्नों में अनुप्रयोग। • दशमलव संख्या, जो पूर्ण घन संख्या हो का घनमूल (गुणनखण्ड विधि द्वारा)।
सर्वसमिकाएं	• $(a+b)^3 = a^3+b^3+3ab(a+b)$ • $(a-b)^3 = a^3-b^3-3ab(a-b)$ • $(a+b+c)^2 = a^2+b^2+c^2+2ab+2bc+2ca$ • सर्वसमिकाओं का अनुप्रयोग।
बीजीय व्यंजकों का भाग एवं गुणनखण्ड	बीजीय व्यंजकों में एक पदीय तथा द्विपदीय व्यंजकों से भाग। भाज्य त्रभाजक गभागफम़ शेषफल का सत्यापन। बहुपदीय व्यंजकों के गुणनखण्ड की संकल्पना (तीन पद से अधिक नहीं) $[(a^2+2ab+b^2), (a^2-2ab+b^2), a^2-b^2]$ ax^2+bx^2+c प्रकार के व्यजकों का गुणनखण्ड
युगपत समीकरण.	• दो चर वाले रेखीय समीकरण (युगपत समीकरण) और उनका हल

	• दो चरवाले वार्तिक प्रश्नों का युगपत समीकरण द्वारा हल।
वर्गसमीकरण	वर्ग समीकरण x2=k (जहां k एक पूर्ण संख्या है।) के रूप वाले समीकरणों का हल। ax2+bx2+c=0 प्रकार के समीकरणों का हल। सभी ax2+bx2+c=0 पर आधारित वार्तिक प्रश्न।
समान्तर रेखाएं	• समान्तर रेखाओं के निम्नांकित प्रगुणों का प्रयोगात्मक सत्यापन • एक ही रेखा के समान्तर दो रेखाएं परस्पर समान्तर होती हैं। • एक ही रेखा पर लम्ब दो रेखाएं परस्पर समान्तर होती हैं। • रचनाएं दिये गये रेखाखण्ड को कई समान (बराबर खण्डों) भागों में विभक्त करना। दिये गये रेखाखण्ड को दिये गये अनुपात में विभक्त करना।
चतुर्भुज की रचनाएं	• चतुर्भुज की रचना करना जबकि :– • चार भुजाएं और एक विकर्ण हो। • तीन भजाएं तथा दोनों विकर्ण दिये हों। • तीन भुजाएं और दो मध्यस्थ कोण दिये हो। • घन भुजाएं और उनके बीच का कोण तथा अन्य दो कोण दिये हों। • चारभुजाएंऔर एक कोणदियेहो।
वाणिज्य गणित	चक्रवृद्धि ब्याज की गणना (जबकि पूरी समयावधि 3 इकाई से अधिक न हो– (अ) वार्षिक (ब) अर्धवार्षिक (स) तिमाही मूल्य में वृद्धि एवं घाटे की दर।
बैंकिंग	• बैंक की जानकारी • बैंक में खाता खोलना एवं खातों के प्रकार। • बैंक ड्राफ्ट, लाकर। • चेक एवं चेक के प्रकार। • बचत खाते की पासबुक में प्रविष्टियों के आधार पर ब्याज की गणना। • ए0टी0एम0 से मुद्रा की निकासी • ऑनलाइन बैंकिंग। • विभिन्न मूल्यों के नोटों की पहचान।
वृत्त और चक्रीय चतुर्भुज	• निम्नलिखित प्रगुणों का प्रायोगित सत्यापन • वृत्त की समान जीवाएं केन्द्र पर समान कोण अंतरित करती हैं तथा इसका विलोम • चक्रीय चतुर्भुज, चक्रीय बिन्दु, चक्रीय चतुर्भुज के सम्मुख कोण • चक्रीय चतुर्भुज के सम्मुख कोणों का योगफल 180^0 होता है।
वृत्त की स्पर्शरेखाएं	• छेदिका, स्पर्शरेखा और स्पर्शबिन्दु।

	• किसी वृत्त पर दिये हुए बिन्दु से स्पर्शरेखा की रचना, जबकि बिन्दु वृत्त पर स्थित हो।
सांख्यिकी	अवर्गीकृत आंकड़ों की माध्यिका तथा बहुलक
संभावना (प्रायिकता)	• किसी सिक्के के उछालने पर शीर्ष (चित्र) या पूँछ (पट) के ऊपर पड़ने की संभावना का बोध। • किसी पांसे को उछालने पर किसी एक फलक के ऊपर आने की संभावना। • संभावनाओं का दैनिक जीवन से सम्बन्ध।
कार्तीय तल	• कार्तीय तल की संकल्पना। • विभिन्न स्थितियों में बिन्दुओं का निर्धारण करके ग्राफ खींचना।
क्षेत्रमिति (मेन्सुरेशन)	• वृत्त की परिधि एवं व्यास में सम्बन्ध • वृत्ताकर क्षेत्र का क्षेत्रफल। • वर्ग तथा घन : वैदिक विधि द्वारा

विषय – सामाजिक विज्ञान

इतिहास	• यूरोपीय शक्तियों का भारत में आगमन • भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना • प्रथम स्वतंत्रता संग्राम– कारण एवं परिणाम • ब्रिटिश राज्य के आधीन भारत • भारत में नवजागरण • भारत में राष्ट्रवाद का उदय एवं विकास • भारत का स्वाधीनता आंदोलन • अंग्रेज भारत छोड़ने को विवश • स्वतंत्र भारत की चुनौतियां एवं विकास • महत्वपूर्ण घटनाएं एवं तिथियां
नागरिक शास्त्र	• हमारा लोकतंत्र • देश की सुरक्षा एवं विदेश नीति • वैश्विक समुदाय एवं भारत • नागरिक सुरक्षा
भूगोल	• संसाधन • भारत : कृषि एवं सिंचाई • भारत : खनिज सम्पदा • भारत : शक्ति के साधन • भारत : उद्योग धंधे • भारत : यातायात, व्यापार एवं संचार • भारत : मानव संसाधन

	• उत्तरप्रदेश : अर्थव्यवस्था एवं मानव संसाधन • आपदा एवं आपदा प्रबंधन

पूर्व मध्यमा – प्रथम (कक्षा – 09)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : हिन्दी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	प्रश्न	अंक
हिन्दी गद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय (भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग)	5	5
हिन्दी पद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, भक्तिकाल)	5	5
काव्य सौंदर्य के तत्व	5	5
रस : श्रृंगार एवं वीर (परिभाषा, उदाहरण एवं पहचान)		
छन्द : चौपाई, दोहा (लक्षण एवं उदाहरण)		
शब्दालंकार– अनुप्रास, यमक, श्लेष (परिभाषा, उदाहरण, पहचान)		
हिन्दी व्याकरण तथा शब्दरचना	5	5
वर्तनी तथा विराम चिह्न		
शब्दरचना– तद्भव, तत्सम, विलोम, पर्यायवाची		
समास– अव्ययीभाव, तत्पुरुष		
	20	20

वर्णनात्मक प्रश्न	प्रश्न	अंक
गद्यांश पर आधारित प्रश्न	3	6
काव्यांश पर आधारित प्रश्न	3	6
एकांकी पर आधारित प्रश्न (कथानक, चरित्र–चित्रण एवं तथ्याधारित प्रश्न)	1	6
लेखकों पर आधारित प्रश्न (जीवन परिचय एवं रचनाएं)	1	6
कवियों पर आधारित प्रश्न (जीवन परिचय एवं रचनाएं)	1	6
मुहावरे एवं लोकोक्तियां (अर्थ एवं वाक्य प्रयोग)	1	2
पत्र लेखन (प्रार्थना पत्र)	1	8
निबन्ध लेखन/समसामयिक विषयों पर अनुच्छेद लेखन	1	10
	12	50

गद्य	लेखन
बात	प्रताप नाराण मिश्र
स्मृति	श्रीराम शर्मा
ठेले पर हिमालय	धर्मवीर भारती
मंत्र	प्रेमचन्द
गुरू नानकदेव	हजारीप्रसाद द्विवेदी
गिल्लू	महादेवी वर्मा
निष्ठामूर्ति कस्तूरबा	काका कालेलकर
तोता	रवीन्द्रनाथ टैगोर
सड़क सुरक्षा एवं यातायात के नियम	विभागीय

काव्य	
कबीर	साखी
मीराबाई	पदावली

रहीम	दोहा
जयशंकर प्रसाद	पुनर्मिलन
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	प्रेम माधुरी
सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला	दान
मैथिलीशरण गुप्त	पंचवटी
हरिवंशराय 'बच्चन'	पथ की पहचान
संत रैदास	प्रभुजी तुम चन्दन हम पानी
नागार्जुन	बादल को घिरते देखा
सोहनलाल द्विवेदी	उन्हें प्रणाम
केदारनाथ अग्रवाल	अच्छा होता
शिवमंगल सिंह सुमन	युगवाणी

एकांकी	
लक्ष्मी का स्वागत	उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

विषय – अंग्रेजी

(पाठ्यवस्तु जो पढ़ाये जाने योग्य है)

➢ Prose	1. The Fun They Had. 2. A Truly Beautiful Mind. 3. The Snake And The Mirror. 4. Reach For The Top. 5. Kathmandu. 6. If I Were You.
➢ Poetry	1. Wind. 2. Rain On The Roof. 3. A Legend Of The Northland. 4. No Men Are Foreign. 5. On Killing A Tree. 6. A Slumber Did My Spirit Seal.
➢ Supplementry	1. In The Kingdom Of Fools. 2. The Adventure Of To Do. 3. IshwaranThe Storyteller. 4. The Lost child. 5. A House Is Not A Home. 6. The Beggar.
➢ Grammar	No changes

विषय – विज्ञान

• अध्याय–1	• हमारे आसपास के पदार्थ 1.1 पदार्थ का भौतिक स्वरूप पदार्थ के कणों के अभिलाक्षणिक गुण, पदार्थ की अवस्थाएं, क्या पदार्थ अपनी अवस्था को बदल सकता है
• अध्याय–2	• वाष्पीकरण • क्या हमारे आस–पास के पदार्थ शुद्ध हैं, मिश्रण क्या है तथा प्रकार विलयन क्या है, विलयन की सान्द्रता निलंबन क्या है?, कॉलॉयडी विलयन क्या है? शुद्ध पदार्थों के क्या प्रकार हैं– तत्व तथा यौगिक
• अध्याय–3	• परमाणु एवं अणु रासायनिक संयोजन के नियम परमाणु क्या होता है? विभिन्न तत्वों के आधुनिक प्रतीक परमाणु द्रव्यमान, परमाणु किस प्रकार अस्तित्व में रहते हैं? अणु क्या है? रासायनिक सूत्र लिखना।
• अध्याय–4	• आण्विक द्रव्यमान • परमाणु की संरचना आवेशित कण, परमाणु की संरचना टॉमसन, रदरफोर्ड तथा बोर का मॉडल न्यूट्रान, विभिन्न कक्षाओं में इलेक्ट्रान कैसे वितरित होते हैं? संयोजकता, परमाणु संख्या एवं परमाणु द्रव्यमान
• अध्याय–5	• जीवन की मौलिक इकाई • संजीव किससे बनते हैं, कोशिका का संरचनात्मक संगठन (सम्पूर्ण) प्लैज्मा झिल्ली से रसधानियाँ तक
• अध्याय–6	• ऊतक
• अध्याय–8	• गति • गति का वर्णन– सरलरेखीय, एक समान तथा असमान गति, गति की दर का मापन, दिशा के साथ चाल वेग परिवर्तन की दर, गति का ग्राफीय प्रदर्शन–दूरी समय ग्राफ, वेग– समय ग्राफ
• अध्याय–9	• बल तथा गति के नियम, संतुलित तथा असंतुलित बल, गति का प्रथम नियम, जड़त्व तथा द्रव्यमान, गति का द्वितीय नियम, गति का तृतीय नियम
• अध्याय–10	• गुरुत्वाकर्षण • गुरुत्वाकर्षण, गुरुत्वाकर्षण का सार्वत्रिक नियम एवं महत्व, मुक्तपतन, गुरुत्वीय त्वरण ह के मान का परिकलन, पृथ्वी के गुरुत्वीय बल के प्रभाव में वस्तुओं की गति, दृव्यमान, भार प्रणोद तथा दाब

	• आर्कमिडीज का सिद्धान्त
• अध्याय–11	• कार्य तथा ऊर्जा • कार्य (सम्पूर्ण), ऊर्जा (सम्पूर्ण), कार्य करने की दर
• अध्याय–12	• ध्वनि • ध्वनि का उत्पादन, ध्वनि संचरण, अनुदैर्ध्य तरंगे, विभिन्न माध्यमों में ध्वनि की चाल, ध्वनि का परावर्तन, श्रव्यता का परिसर
• अध्याय–15	• खाद्य संसाधनों में सुधार • फसल उत्पादन में उन्नति

विषय – गणित

• संख्या पद्धति	• वास्तविक संख्याएं, परिमेय संख्याओं का संख्या रेखा पर निरूपण की समीक्षा। क्रमिक वृद्धि द्वारा सांत /असांत आवर्ती दशमलव का संख्या रेखा पर निरूपण। आवर्ती /सांत दशमलव के रूप में परिमेय संख्याएं। वास्तविक संख्याओ पर संक्रियाएं। • अनावर्ती /असांत दशमलव के उदाहरण। • $\frac{1}{a+b\sqrt{x}}$ तथा $\frac{1}{\sqrt{x}+\sqrt{y}}$ तरह के वास्तविक संख्याओं का परिमेयकरण (संक्षिप्त अर्थों) में जहां x और y प्राकृतिक संख्याएं हैं और a और b पूर्णांक हैं। • पूर्ण घात वाले घातांक के नियम का पुनः स्मरण (पुनरावलोकन) करना। धन वास्तविक आधार वाले परिमेय घातांक के सामन्य नियम की नियमों की जानकारी रखना।
• बीजगणित बहुपद	• एक चर वाले बहु पदों की परिभाषा उदाहरण तथा प्रति उदाहरण के साथा बहुपद के गुणांक, बहुपद के पद और शून्य बहुपदा एकपदीय द्विपदीय तथा त्रिपदीया गुणनखंड और गुणका बहुपद के गुणक। • बीजगणितीय व्यंजक और सर्वसमिकाओं का पुनः स्मरणा सर्वसमिकाओं का सत्यापन। • $(x+y+z)^2 = x^2+y^2+z^2+2xy+2yz+2zx$ • $(x \pm y)^3 = x^3 \pm y^3 \pm 3xy(x \pm y)$ • $x^3 \pm y^3 = (x \pm y)(x^2+y^2 \mp xy)$ • $x^3+y^3+z^3-3xyz = (x+y+z)(x^2+y^2+z^2-xy-yz-zx)$

	• और बहुपद के गुणनखंड में इनका उपयोग
• दो चरो में रैखिक समीकरण बीजगणित	• एक चर राशि में रैखिक समीकरण, दो चरों में रैखिक समीकरण की जानकारी। a x+ by+c=0 प्रकार के रैखिक समीकरण पर विशेष ध्यान। सिद्ध करना कि दो चर वाले रैखिक समीकरण के अनंतता अनेक हल होते हैं और उनके वास्तविक संख्याओं के क्रमिक युग में लिखे जाने की परख करना। उनका निरूपण तथा रेखा पर उनका अंकन। • वास्तविक जीवन से संबंधित उदाहरण तथा सामस्या प्रश्न।
• निर्देशांक ज्यामिति	• कार्तिक तल, किसी बिंदु के निर्देशांक, कार्तीय तल से संबंधित नाम तथा पारिभाषिक शब्द (term), संकेतन।
• रेखा और कोण (ज्यामिति)	• यदि एक किरण एक रेखा पर खड़ी हो तो इस प्रकार बने दोनों आसन्न कोणों का योग 180o होता है और विपरीत भी सत्य है। • दो रेखाएं परस्पर प्रतिच्छेद करती हैं तो शीर्षाभिमुख कोण बराबर होते हैं। (सिद्ध करना है) • वे रेखाएं जो एक ही रेखा के समांतर हो परस्पर समांतर होती हैं
• त्रिभुज • (ज्यामिति)	• दो त्रिभुज सर्वांगसम होते हैं यदि एक त्रिभुज की दो भुजाएं और उनके बीच का कोण दूसरे त्रिभुज की दो भुजाएं और उनके बीच के कोण के बराबर हो। (SAS सर्वांगसमता) • दो त्रिभुज सर्वांगसम होते हैं यदि एक त्रिभुज के दो कोण और उनकी अंतर्गत भुजा दूसरे त्रिभुज के दो कोणों और उनकी अंतर्गत भुजा के बराबर हो। (ASA सर्वांगसमता) • यदि एक त्रिभुज की तीन भुजाएं एक अन्य त्रिभुज की तीनो भुजाओं के बराबर हो तो दोनों त्रिभुज सर्वांगसम होते हैं।(SSS सर्वांगसमता) • यदि दो समकोण त्रिभुजों में एक त्रिभुज का कर्ण और एक भुजा दूसरे त्रिभुज के कर्ण और एक भुजा के बराबर हो तो दोनों त्रिभुज सर्वांगसम होते हैं। (RHS सर्वांगसमता) • किसी त्रिभुज की बराबर भुजाओं के सम्मुख कोण बराबर होते हैं। • किसी त्रिभुज में समान कोणों के सामने की भुजाएं बराबर होती हैं।

○ चतुर्भुज ○ (ज्यामिति)	• किसी समांतर चतुर्भुज का एक विकर्ण उसे दो सर्वांगसम त्रिभुजों में विभाजित करता है। • एक समांतर चतुर्भुज में सम्मुख भुजाएं बराबर होती है और विपरीत भी सत्य है। • एक समांतर चतुर्भुज में सम्मुख कोण बराबर होते हैं और विपरीत भी सत्य है। • समांतर चतुर्भुज के विकर्ण एक दूसरे को परस्पर समद्विविभाजित करते हैं और विपरीत भी सत्य है। • एक त्रिभुज की किन्हीं दो भुजाओं के मध्य बिंदुओं को मिलाने वाला रेखाखंड तीसरी भुजा के समांतर होता है तथा विपरीत भी सत्य है।
• वृत्त • (ज्यामिति)	• वृत्त की बराबर जीवाय केंद्र पर बराबर कोण अंतरित करती हैं तथा विपरीत भी सत्य है। • एक वृत्त के केंद्र से एक जीवा पर डाला गया लंब जीवा को समद्विविभाजित करता है। • वृत्त के केंद्र से जीवा को समद्विविभाजित करने के लिए खींची गई रेखा जीवा पर लंब होती है। • एक वृत्त की (या सर्वांगसम वृत्तो) की बराबर जीवाऐ केंद्र से (या केंद्रों से) समान दूरी पर होती हैं। विपरीत भी सत्य है • एक चाप द्वारा केंद्र पर अंतरित कोण वृत्त के शेष भाग के किसी बिंदु पर अंतरित कोण का दुगना होता है। • एक ही वृत्त खंड के कोण बराबर होते हैं • यदि दो बिंदुओं को मिलाने वाला रेखाखंड उसको अंतर्विष्ट करने वाली रेखा के एक ही ओर स्थित दो अन्य बिंदुओं पर समान कोण अंतरित करें तो चारों बिंदु एक वृत्त पर स्थित होते हैं (अर्थात यह चक्रीय होते हैं)। • चक्रीय चतुर्भुज के सम्मुख कोणों के प्रत्येक युग्म का योग 180o होता है। विपरीत भी सत्य है।
• मेंसुरेशन	• क्षेत्रफल हीरोन के सूत्र का प्रयोग करके त्रिभुज का क्षेत्रफल निकालना (बिना सिद्ध किए) • पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन घन, गोला (अर्ध गोला सहित) और शंकु का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।
• सांख्यिकी	• सांख्यिकी सारणीकृत, अवर्गीकृत/वर्गीकृत बारंबारता ग्राफ, बारंबारता बहुभुज।

विषय – सामाजिक विज्ञान

भारत और समकालीन विश्व–1 (इतिहास)	• फ्रांसीसी क्रान्ति • यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रान्ति • नाजीवाद एवं हिटलर का उदय • वन्य समाज और उप निवेशवाद • आधुनिक विश्व के चरवाहे • मानचित्र कार्य : विश्व का मानचित्र
समकालीन भारत– 1 (भूगोल)	• भारत : आकार और स्थिति • भारत का भौतिक स्वरूप • अपवाह • जलवायु • प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी • जनसंख्या- आकार, वितरण, वृद्धि एवं परिवर्तन प्रकिया • मानचित्र कार्य : भारत का मानचित्र
लोकतांत्रिक राजनीति–1 (नागरिक शास्त्र)	• लोकतंत्र क्या? लोकतंत्र क्यों? • संविधान निर्माण • चुनावी राजनीति • संस्थाओं का कामकाज • लोकतांत्रिक अधिकार
अर्थव्यवस्था (अर्थशास्त्र)	• पालमपुर की कहानी • संसाधन के रूप में लोग • निर्धानता एक चुनौती • भारत में खाद्य सुरक्षा • प्रोजेक्ट कार्य एवं गतिविधि– 30 अंक

पूर्व मध्यमा– द्वितीय (कक्षा – 10)

विषय – हिन्दी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. गद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय (शुक्ल युग तथा शुक्लोत्तर युग)
2. पद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय (रीतिकाल एवं आधुनिक काल)
3. काव्य सौंदर्य के तत्व
   1) रस– हास्य एवं करुण (परिभाषा, उदाहरण एवं पहचान)
   2) अलंकार : अर्थालंकार– उपमा, रूपक एवं उत्प्रेक्षा (लक्षण एवं उदाहरण)
   3) छन्द– सोरठा एवं रोला (लक्षण एवं उदाहरण)
4. हिन्दी व्याकरण : शब्दरचना के तत्व
   1) उपसर्ग– अ, अन्, अधि, अप, अनु, उप, सह, निर, अभि, परि, सु इत्यादि।
   2) समास– द्वन्द, द्विगु, कर्मधारण, बहुब्रीहि
   3) तद्भव, तत्सम शब्द एवं पर्यायवाची शब्द, विपरीतार्थी शब्द
5. वाक्य का स्वरूप, वाक्यांश के लिए एक शब्द
6. वाच्य– प्रयोग एवं वाच्य परिवर्तन
7. पद परिचय– विकारी एवं अविकारी शब्द

वर्णनात्मक

1. गद्यांश पर आधारित प्रश्न
2. पद्यांश पर आधारित प्रश्न
3. खण्डकाव्य से कथानक, चरित्र–चित्रण एवं तथ्य आधारित प्रश्न
4. लेखकों का जीवन परिचय एवं रचनाएं
5. कवियों का जीवन परिचय एवं रचनाएं
6. पत्र लेखन
7. निबन्ध रचना
   समसामयिक विषयों पर अनुच्छेद लेखन (वैज्ञानिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक– समस्याएं एवं जनसंख्या, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण एवं यातायात नियमों पर आधारित विषय)
8. लोकोक्तियां एवं मुहावरे (अर्थ एवं वाक्य प्रयोग)

निर्धारित पाठ्य वस्तु : गद्य

मित्रता	रामचन्द्र शुक्ल
ममता	जयशंकर प्रसाद
भारतीय संस्कृति	राजेन्द्र प्रसाद
अजन्ता	भगवत शरण उपाध्याय
क्या लिखूँ	पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी
इर्ष्या तू न गई मेरे मन से	रामधारी सिंह दिनकर
पानी में चन्दा और चाँद पर आदमी	जय प्रकाश भारती

निर्धारित पाठ्य वस्तु : काव्य

सूरदास	पद
तुलसीदास	धनुष भंग, वन पथ पर
रसखान	सवैया, कवित्त
बिहारीलाल	भक्ति नीति
रामनरेश त्रिपाठी	स्वदेश प्रेम
मैथिलीशरण गुप्त	भारत माता का मन्दिर यह
महादेवी वर्मा	हिमालय से, वर्षासुन्दरी के प्रति
सुमित्रानन्दन पंत	चींटी, चन्द्रलोक में प्रथम बार
माखन लाल चतुर्वेदी	पुष्प की अभिलाषा, जवानी
सुभद्रा कुमारी चौहान	झाँसी की रानी की समाधि पर
अशोक बाजपेयी	भाषा एक मात्र अनन्त है, युवा जंगल
श्याम नारायण पाण्डेय	हल्दी घाटी
केदारनाथ सिंह	नदी

खण्डकाव्य : मातृभूमि के लिए– आधुनिक प्रकाशन गृह, द्वारा गंज प्रयागराज

विषय – अंग्रेजी

(पाठ्यवस्तु जो पढ़ाये जाने योग्य है)

• PROSE	• A Letter to God (G.L.Fuento) • Madam Rides the bus (Vallikkannan) • The Sermon at Benaras (Betty Renshaw)
• POETRY	• Dust of Snow (Robert Frost) • A Tiger in the Zoo (Leslie Norms) • Fog (Cart Sandburg)
• SUPPLEMENTARY	• The thief's story • Bholi
• GRAMMER	• Parts of Speech • Tenses • Complete the sentence

	• Translation (Hindi to English & English to Hindi) • Participle • Synonyms & Antonyms • Direct and Indirect Speech • Letter Writing (Formal & Informal) • Essay

विषय – विज्ञान

अध्याय–2	अम्लझारक एवं लवण अम्ल एवं झारक के रासा0 गुणधर्म, अम्ल एवं क्षारकों में समानतायें, अम्ल एवं क्षारक के विलयन कितने प्रबल होते हैं? लवण के सम्बन्ध में जानकारी, साधारण नमक से रसायन विरंजक चूर्ण, बेकिंग सोडा, धोने का सोडा, प्लास्टर ऑफ पेरिस के सूत्र एवं उपयोग
अध्याय–4	सहसंयोजी आबंध कार्बन की सर्वतोमुखी प्रकृति, संतृप्त असंतृप्त यौगिक श्रृंखलाएं शाखाएं एवं वलय, समजातीय श्रेणी, कार्बनिक यौगिकों की नाम पद्धति, कार्बनिक यौगिकों के रासा0 गुर्णधर्म (दहन, ऑक्सीकरण, संकलन, प्रतिस्थापन)
अध्याय–7	जंतुओं में नियंत्रण एवं समन्वय जंतु तंत्रिका तंत्र जंतुओं में हॉर्मोन
अध्याय–9	आनुवंशिकता
अध्याय–10	प्रकाश– परावर्तन तथा अपवर्तन प्रकाश का अपवर्तन, कांच के आयताकार स्लैब से अपवर्तन, अपवर्तनांक, गोलीय लेंसों द्वारा अपवर्तन, लेंसों द्वारा प्रतिबिंब का बनना, किरण आरेखों के उपयोग द्वारा लेंसों से प्रतिबिम्ब बनाना लेंस की क्षमता
अध्याय–11	मानव नेत्र तथा रंगबिरंगा संसार मानव नेत्र, समंजन क्षमता दृष्टि दोष तथा उनका संशोधन वायुमण्डलीय अपवर्तन प्रकाश का प्रकीर्णन

अध्याय–12	विद्युत विद्युत धारा और परिपथ, विद्युत विभव एवं विभवांतर, विद्युत परिपथ आरेख, ओम नियम, प्रतिरोधकों के निकाय का प्रतिरोध (श्रेणीक्रम, पार्श्वक्रम) विद्युत धारा के तापीय प्रभाव
अध्याय–13	विद्युत धारा के चुंबकीय प्रभाव विद्युत क्षेत्र एवं रेखाएं, किसी विद्युत धारावाही चालक के कारण चुंबकीय क्षेत्र, चुम्बकीय क्षेत्र में किसी विद्युत धारावाही चालक का बल
अध्याय–11	मानव नेत्र तथा रंगबिरंगा संसार मानव नेत्र, समंजन क्षमता दृष्टिदोष तथा उनका संशोधन वायुमण्डलीय अपवर्तन प्रकाश का प्रकीर्णन
अध्याय–12	विद्युत विद्युत धारा और परिपथ, विद्युत विभव एवं विभवांतर, विद्युत परिपथ आरेख, ओम नियम, प्रतिरोधकों के निकाय का प्रतिरोध (श्रेणीक्रम, पार्श्वक्रम) विद्युत धारा के तापीय प्रभाव
अध्याय–14	कोई परिवर्तन नहीं
अध्याय–15	कोई परिवर्तन नहीं
अध्याय–16	कोई परिवर्तन नहीं
अध्याय–14	कोई परिवर्तन नहीं

विषय – गणित

वास्तविक संख्याएं	अंकगणित का आधारभूत प्रमेय उदाहरण सहित
दो चर वाले रैखिक समीकरण युग्म (बीजगणित)	एक रैखिक समीकरण युग्म को हल करने की बीजगणितीय विधि (1) प्रतिस्थापन विधि (2) विलोपन विधि
द्विघात समीकरण (बीजगणित)	मानक द्विघात समीकरण $ax^2+bx+c=0.a\pm 0$ द्विघात समीकरण (केवल वास्तविक मूल) का द्विघात सूत्र द्वारा और गुणनखंड द्वारा हल निकालना। द्विघात समीकरण का विविक्तकर और उनके मूलो की प्रकृति के बीचसम्बन्ध द्विघात समीकरण का दैनिक जीवन में अनुप्रयोग तथा इन पर आधारित इबारती प्रश्न

त्रिभुज (ज्यामिति)	• समरूप त्रिभुज की परिभाषा, उदाहरण प्रति उदाहरण • त्रिभुज की एक भुजा के समांतर खींची गई रेखा त्रिभुज की शेष दो भुजाओं को समान अनुपात में विभाजित करती है • त्रिभुज की दो भुजाओं को समान अनुपात में विभाजित करने वाली रेखा तीसरी भुजा के समांतर होती है • यदि दो त्रिभुज में संगत भुजाओं का एक युग्म अनुपातिक हो और आंतरिक कोण बराबर हो तो त्रिभुज समरूप होते हैं। • यदि दो त्रिभुजों में संगत कोणों का एक युग बराबर हो और उनकी संगत भुजाऐ अनुपातिक हो तो त्रिभुज समरूप होते हैं • एक त्रिभुज का एक कोण दूसरे त्रिभुज के संगत कोण के बराबर हो तथा उनकी संगत भुजाओं अनुपातिक हो तो त्रिभुज समरूप होगा।
निर्देशांक ज्यामिति	निर्देशांक ज्यामिति की अवधारणा, रैखिक समीकरणों के ग्राफ, दूरी सूत्र विभाजन सूत्र (आंतरिक विभाजन)
त्रिकोणमिति का परिचय	त्रिकोणमिति अनुपात, विशिष्ट कोणों के त्रिकोणमितीय अनुपात, पूरक कोणों के त्रिकोणमितीय अनुपात
ऊंचाई और दूरी त्रिकोणमिति	उन्नयन कोण, अवनमन कोण, ऊंचाई और दूरी पर साधारण प्रश्न (प्रश्न दो समकोण त्रिभुज से अधिक नहीं होना चाहिए) , उन्नयन और अवनमन कोण केवल 30o ,45o तथा 60o होना चाहिए।
वृत्त (ज्यामिति)	वृत्त की स्पर्श रेखा, स्पर्श बिंदु 1. वृत्त की स्पर्श रेखा स्पर्श बिंदु से होकर जाने वाली त्रिज्या पर लंब होती है 2. किसी बाहृय बिंदु से खींची गई दो स्पर्श रेखाओं की लंबाई बराबर होती है
(मेन्सुरेशन)	निम्नांकितियों का पृष्ठीय क्षेत्रफल और आयतन घन, घनाभ, गोला, अर्ध गोला और लंब वृत्तीय बेलन/ शंकु
सांख्यिकी	वर्गीकृत आंकड़ों का माध्य, माध्यिका और बहुलक

विषय – सामाजिक विज्ञान

भारत और समकालीन विश्व–2 (इतिहास)	• यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय • भारत में राष्ट्रवाद • भूमण्डलीकृत विश्व का बनना • औद्योगीकरण का युग। • मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया

	• मानचित्र का कार्य
समकालीन भारत–2 (भूगोल)	• संसाधन एवं विकास • वन एवं वन्य जीवन संसाधन • जल संसाधन • कृषि • खनिज तथा ऊर्जा संसाधन • विनिर्माण उद्योग • राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाओं मानचित्र कार्य
लोकतांत्रिक राजनीति–2 (नागरिक शास्त्र)	• सत्ता की साझेदारी • संघवाद • जाति धर्म और लैंगिक मामले • राजनीतिक दल • लोकतंत्र के परिणाम
आर्थिक विकास की समझ (अर्थशास्त्र)	• विकास • भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक • मुद्रा औरसाख • वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था • उपभोक्ता अधिकार

उ0मा0 I कक्षा–11

हिन्दी

	प्रश्न	अंक
हिन्दी गद्य का उद्भव एवं विकास (भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग)	5	5
पद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास, काल विभाजन– आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियां, कवि एवं उनकी रचनाएं	5	5
गद्यांशों पर आधारित प्रश्न	5	10
पद्यांशों पर आधारित प्रश्न	5	10
लेखकों का जीवन परिचय, जीवनी, कृतियां तथा भाषा शैली	1	5
कवियों का जीवन परिचय, जीवनी, कृतियां, साहित्यिक विशेषताएं	1	5
कहानी : चरित्र–चित्रण, कहानी के तत्व तथा तथ्यों पर आधारित प्रश्न	1	5
नाटक : नाटक की विशेषताएं एवं पात्रों के चरित्र–चित्रण पर प्रश्न	1	5
	24	50
काव्य सौंदर्य के तत्व		
रस : सभी रस (परिभाषा, उदाहरण एवं पहचान)	1	4
अलंकार : शब्दालंकार– अनुप्रास, यमक, श्लेश (परिभाषा एवं उदाहरण) अर्थालंकार– उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, सन्देह, भ्रान्तिमान, अन्वय, प्रतीप, दृष्टान्त, अतिशयोक्ति (परिभाषा एवं उदाहरण)	1	4
छन्द : मात्रिक– चौपाई, दोहा, सोरठा, रोला, कुण्डलियां, हरिगीतिका, बरवै वर्णवृत्त– इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, सवैया, मत्तगयंद, सुमुखी, सुन्दरी, वसन्ततिलका। मुक्तक– मनहर	1	4
निबन्ध लेखन : दिए हुए विषय पर मौलिक अभिव्यक्ति (जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा आदि विषय)	1	10
शब्दों के सूक्ष्म अन्तर अनेकार्थी शब्द अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (वाक्यांश) वाक्यों में त्रुटिमार्जन (लिंग, वचन, कारक, काल एवं वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियां)	1	8
पत्र लेखन (नियुक्ति हेतु, अपने ग्राम, नगर, ग्राम की सफाई हेतु सम्बन्धित अधिकारी को पत्र)	1	8
जीवन सन्दर्भों से जुड़ी घटनाओं और स्थितियों पर फीचर लेखन, स्वच्छ भारत समाचार लेखन	1	10
लोकोक्तियां तथा मुहावरे समास : अव्ययीभाव, कर्मधारय, बहुब्रीहि	1	2
	32	100

गद्य :	
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है?
आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी	महाकवि माघ का प्रभात वर्णन
श्यामसुन्दर दास	भारतीय साहित्य की विशेषताएं
सरदार पूर्णसिंह	आचरण की सभ्यता
डॉ0 सम्पूर्णानन्द	शिक्षा का उद्देश्य
रामकृष्ण दास	आनन्द की खोज, पागल पथिक
राहुल सांकृत्यायन	अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा
रामवृक्ष बेनीपुरी	गेहूँ बनाम गुलाब
विभागीय	सड़क सुरक्षा
विभागीय	गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण
पद्य :	
कबीरदास	साखी, पदावली
मलिक मुहम्मद जायसी	नागमती का वियोग वर्णन
सूरदास	विनय, वात्सल्य, भ्रमरगीत
तुलसीदास	भरत–महिमा, गीतावली, कवितावली, दोहावली, विनय पत्रिका
केशवदास	स्वयंवर कथा, विश्वामित्र और जनक की भेंट
कविवर बिहारी	भक्ति एवं शृंगार
महाकवि भूषण	शिवा–शौर्य, छत्रसाल प्रशस्ति
विविधा	सेनापति, देव, घनानन्द
कथा साहित्य	
प्रेमचन्द	बलिदान
जयशंकर प्रसाद	आकाश दीप
भगवती चरण वर्मा	प्रायश्चित
यशपाल	समय
जैनेन्द्र कुमार	ध्रुवयात्रा
नाटक	
राज मुकुट	श्री व्यथित 'हृदय' सिम्बुल लैंग्वेज कारपोरेशन, आगरा

अंग्रेजी

(पाठ्यवस्तु जो पढ़ाये जाने योग्य है)

• PROSE	• The Portrait of a Lady. • The Ailing Planet. • Silk Road.
• POETRY	• The Voice of the Rain.

	• Father to son.
• SUPPLEMENTARY	• The Address • Mother's Day.
• GRAMMAR	• Tenses. • Translation (English to Hindi & Hindi to English) • The Infinitive • Idioms and Phrases. • Figures of speech • Synonyms and Antonyms • Comprehension • Homophones • Direct and Indirect • Active and Passive • Letter Writing • Essay Writing

भौतिकविज्ञान

1.	मापन
2.	शुद्ध गतिकी
3.	गति के नियम
4.	कार्य, ऊर्जा तथा शक्ति
5.	दृढ़ पिण्ड तथा कणों के निकाय की गति
6.	गुरुत्वाकर्षण
7.	स्थूल द्रव्य के गुण
8.	ऊष्मा गतिकी
9.	आदर्श गैस का व्यवहार तथा गैसों का अनुगति सिद्धान्त
10.	दोलन तथा तरंगें

रसायनविज्ञान

1.	रसायन की कुछ मूल अवधारणाएं
2.	तत्वों का वर्गीकरण और गुण धर्मों की आवर्तिता

3.	द्रव्य की अवस्थाएं– गैस एवं द्रव्य
4.	ऊष्मा गतिकी
5.	साम्यावस्था
6.	रेडॉक्स अभिक्रिया
7.	कार्बनिक रसायन के कुछ मूल सिद्धान्त और तकनीकें
8.	हाइड्रोकार्बन

जीवविज्ञान

सजीव जगत की विविधता	• सजीव जगत • जीवजगत का वर्गीकरण • वनस्पति जगत • जंतु जगत
जन्तुओं और पौधों का संरचनात्मक संघटन	• पुष्पीपौधों की शारीरिकी • पुष्पी पौधों की आकारिकी
कोशिका : संरचना और कार्य	• कोशिका जीवन की इकाई • कोशिका चक्र एवं कोशिका विभाजन
मानव कार्यिकी	• श्वसन एवं गैसों का विनियम • परिसंचरण एवं देह तरल • उत्सर्जी उत्पाद एवं निष्कासन • गमन एवं संचलन • तंत्रिकी नियंत्रण एवं समन्वयन • रासायनिक समन्वयन एवं नियंत्रण

गणित

समुच्चय	समुच्चय तथा उसका निरूपण रिक्त समुच्चय परमित तथा अपरमित समुच्चय, सममुच्चय, उप समुच्चय, वास्तविक संख्याओं के समुच्चय के उपसमुच्चय विशेषकर अंतराल के रूप में (संकेतन सहित) अधिसमुच्चय, समष्टीय समुच्चय, वेन आरेख, समुच्चयो का सम्मिलन तथा सर्वनिष्ट, पूरक समुच्चय समुच्चयो का अन्तर,
संबंध तथा फलन	क्रमिक युग, समुच्चयो का कार्तीय गुणन, दो परमित समुच्चयो के कार्तीय गुणन में अवयवों की संख्या, वास्तविक संख्याओं के समुच्चय का अपने से कार्तीय गुणन (R×R×R) तक संबंध की परिभाषा, चित्रीय आरेख, संबंध का प्रांत, सह प्रांत तथा परास। फलन एक विशेष प्रकार का संबंध, फलन का चित्रीय निरूपण, फलन का प्रांत, सह प्रांत तथा परासा वास्तविक मान फलन, इन फलनो का प्रांत तथा परास, अचर, तत्समक, बहुपद, परिमोयी मापांक, चिन्ह तथा महत्तम पूर्णांक फलन तथा उनके आरेख।

त्रिकोणमितीय फलन	धनात्मक तथा ऋणात्मक कोण, कोणो की रेडियन तथा डिग्री में माप तथा उनका एक मापन से दूसरे मे रूपांतरण, इकाई वृत की सहायता से त्रिकोणमिति फलनो की परिभाषा। x के सभी मानो के लिए तत्समका sin2x + cos2x =1 का सत्यापन। त्रिकोणमिति फलनो के चिन्हा त्रिकोणमिति फलन के प्रांत तथा परास तथा उनके आलेख का चित्रण। निम्न प्रकार के तत्समको पर आधारित प्रश्नों का सत्यापन $\sin(x \pm y)$, $\cos(x \pm y)$, $\tan(x \pm y)$, $\cot(x \pm y)$, $\sin c \pm \sin d$, $\cos c \pm \cos d$, $\sin 2x$, $\cos 2x$, $\tan 2x$, $\sin 3x$, $\cos 3x$, $tan3x$ के तत्समक
समिश्र संख्याएं तथा द्विघात समीकरण (बीजगणित)	समिश्र संख्याओं की आवश्यकता, विशेषतया $\sqrt{-1}$ के लाने की प्रेरणा सभी द्विघात समीकरणों को हल न कर पाने की अयोग्यता पर। समिश्र संख्याओं के बीजीय गुण-धर्मों का संक्षिप्त विवरण।
रैखिक असमिकाएं (बीजगणित)	रैखिक असमिकाएं, एक चर में रैखिक असमिकाएं का बीजीय हल तथा उसका संख्या रेखा पर निरूपण, दो चरों में रैखिक असमिकाएं का आलेखीय हल, दो चर राशियों के रैखिक असमिका निकाय का हल ज्ञात करने की आलेखीय विधि।
क्रमचय तथा संचय (बीजगणित)	गणना का आधारभूत सिद्धांत फैक्टोरियल n! , क्रमचय तथा संचय nPr तथा nCr सूत्रों की उत्पत्ति तथा उनके संबंधा साधारण अनुप्रयोग।
द्विपद प्रमेय (बीजगणित)	• द्विपद प्रमेय की सहायता से (x+y)n का विस्तार करना (जहां n धन पूर्णांक है) • द्विपद प्रमेय से विस्तार में n वा पद ज्ञात करना • मध्य पद ज्ञात करना
अनुक्रम तथा श्रेणी	अनुक्रम तथा श्रेणी, समांतर श्रेणी, समांतर माध्य, गुणोत्तर श्रेणी, गुणोत्तर श्रेणी के सामान्य पद, गुणोत्तर श्रेणी के प्रथम n पदों का योग, अनंत गुणोत्तर श्रेणी और उसके योग, गुणोत्तर माध्य, समांतर माध्य और गुणोत्तर माध्य के बीच संबंध।
निर्देशांक ज्यामिति	सरल रेखा पिछली कक्षाओं से f}आयामी संकल्पना (2D) का दोहराना, एक रेखा की ढाल तथा दो रेखाओं के बीच का कोण। रेखा के समीकरण के विविध रूपः अक्षो के समांतर, बिंदु ढाल रूप, ढाल अंतःखण्ड रूप, दो बिंदु रूप, एक बिंदु की एक रेखा से दूरी। शंकु परिच्छेद वृत्त, दीर्घवृत्त, परवल, अति परवलय एक बिंदु, एक सरल रेखा तथा प्रतिच्छेदी रेखाओं का एक युग्म शंकु परिच्छेद के अपभ्रष्ट रूप में (केवल परिचय) वृत्त का मानक समीकरण, परवलय, दीर्घ वृत्त तथा अति परवलय के मानक समीकरण तथा उनके सामान्य गुण। त्रिविमीय ज्यामिति का परिचय त्रिविमीय अन्तरितज्यामिति में निर्देश तथा निर्देशांक तल, एक बिंदु के निर्देशांक, दो बिंदुओं के बीच की दूरी।
कलन (सीमा तथा अवकलन)	अवकलन को दूरी के फलन के परिवर्तन की दर के रूप में परिभाषित करना। सीमा का सहजानुभूत बोध, बहुपद फलनो, परिमेय फलनो, त्रिकोणमिति फलनो की सीमाएं। अवकलज की परिभाषा तथा फलनो के योग, अंतर, गुणन तथा भाग द्वारा बने फलनो का अवकलन करना, बहुपद फलनो तथा त्रिकोणमिति फलन का अवकलन ज्ञात करना।

सांख्यिकी तथा प्रायिकता	सांख्यिकी प्रकीर्णन की माप, वर्गीकृत तथा अवर्गीकृत आंकड़ों के लिए माध्य विचलन, प्रसरण तथा मानक विचलन प्रायिकता यादृच्छिक परीक्षण, परिणाम, प्रतिदर्श समष्टि (समुच्चय रूप में) घटनाओं का घटित होना, घटित ना होना, and तथा and "और" "या" निःशेष घटनाएं, परस्पर अपवर्जी घटनाएं। प्रायिकता का अभिगृहतीय दृष्टिकोण। पिछली कक्षा के प्रायिकता सिद्धांतों से संबंध। एक घटना की प्रायिकता, "not" "and" तथा "or" घटनाओं की प्रायिकता।

इतिहास

<u>विश्व इतिहास के कुछ विषय</u>	• प्रारम्भिक समाज • साम्राज्य • बदलती परम्पराएं • आधुनिकीकरण की ओर • भारत का संविधान : सिद्धान्त और व्यवहार • संविधान क्यो? और कैसे? • भारतीय संविधान में अधिकार • चुनाव और प्रतिनिधित्व • कार्यपालिका • विधायिका • न्यायपालिका • संघवाद • स्थानीय शासन • संविधान एवं जीवंत दस्तावेज • संविधान का राजनीतिक दर्शन

राजनीतिविज्ञान

	• राजनीतिक सिद्धान्त– • राजनीतिक सिद्धान्त : एक परिचय • स्वतन्त्रता • समानता • सामाजिक न्याय • अधिकार • नागरिकता • राष्ट्रवाद • धर्मनिरपेक्षता

अर्थशास्त्र

भारतीय अर्थशास्त्र का विकास	1–विकास नीतियां और अनुभव (1947–90) 2–आर्थिक सुधार (1991 से) 3–भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान चुनौतियाँ 4–भारत और उसके पड़ोसी देशो के तुलनात्मक अनुभव 2–अर्थशास्त्र में सांख्यिकी • परिचय • आकड़ों का संग्रह • आंकड़ों का संगठन • आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण • केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप • सहसम्बन्ध • सूचकांक • सांख्यिकीय विधियों के उपयोग

भूगोल

भौतिक भूगोल के मूल सिद्धान्त	1. भूगोल एक विषय के रूप में 2. पृथ्वी 3. भू–आकृतियां 4. जलवायु 5. जल (महासागर) 6. पृथ्वी पर जीवन– जैव विविधता एवं संरक्षण
भारत भौतिक पर्यावरण	1 भारत : स्थिति 2. भू–आकृति विज्ञान 3. जलवायु, वनस्पति एवं मृदा 4. प्राकृतिक संकट तथा आपदाएं : कारण, परिणाम तथा प्रबन्ध
भूगोल में प्रयोगार्थ कार्य	1. मानचित्र का परिचय 2. मानचित्र मापनी 3. अक्षांश, देशान्तर और समय 4. मानचित्र प्रक्षेप 5. स्थलाकृतिक मानचित्र 6. सुदूर संवेदन का परिचय

उ0मा0 II कक्षा–12

हिन्दी

	प्रश्न	अंक
हिन्दी गद्य का उद्‌भव एवं विकास (शुक्ल युग, शुक्लोत्तर युग) हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएं– निबन्ध, उपन्यास, कहानी, आलोचना आदि।	5	5
हिन्दी काव्य सहित का विकास (आधुनिक काल भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, नयी कविता आदि)	5	5
हिन्दी गद्यांश पर आधारित प्रश्न	5	10
हिन्दी पद्यांश पर आधारित प्रश्न	5	10
लेखकों का साहित्यिक परिचय, जीवनी, कृतियां तथा भाषा शैली	1	5
कवियों का साहित्यिक परिचय, जीवनी, कृतियां, साहित्यिक विशेषताएं	1	5
कहानी– चरित्र चित्रण, कहानी के तत्व एवं तथ्यों पर आधारित प्रश्न	1	5
खण्ड काव्य– विशेषताएं, पात्रों, चरित्र चित्रण, प्रमुख घटनाओं पर आधारित प्रश्न	1	5
	24	50
काव्य सौन्दर्य के तत्व		
रस (सभी) परिभाषा, उदाहरण	1	4
अलंकार : शब्दालंकार– अनुप्रास, यमक, श्लेष अर्थालंकार– उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, सन्देह, भ्रान्तिमान अन्वय, प्रतीप, दृष्टान्त, अतिशयोक्ति	1	4
छन्द : मात्रिक– चौपाई, दोहा, सोरठा, रोला, कुण्डलिया, हरिगीर्तिका, वरवै। वर्णवृत्त– इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, सवैया, मतंगमंद, सुमुखी, सुन्दरी, वसन्तलिका। मुक्तक– मनहर	1	4
निबन्ध लेखन : दिए हुए विषय पर मौलिक अभिव्यक्ति (जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा आदि विषय)	1	10
लोकोक्तियाँ तथा मुहावरे	1	2
अ– शब्दों के सूक्ष्म अन्तर ब– अनेकार्थी शब्द स– अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (वाक्यांश) द– वाक्यों में त्रुटिमार्जन (लिंग, वचन, कारण, काल एवं वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियां)	1	8
पत्र लेखन (नियुक्ति के लिए आवेदन पत्र, अपने ग्राम, नगर की सफाई हेतु सम्बन्धित अधिकारी को पत्र)	1	8
जीवन सन्दर्भों से जुड़ी घटनाओं और स्थितियों पर फीचर लेखन, स्वच्छ भारत समाचार लेखन समास : अव्ययीभाव, कर्मधारय, बहुब्रीहि	1	8
	32	100

गद्य :	
वासुदेव शरण अग्रवाल	राष्ट्र का स्वरूप
कन्हैया लाल मिश्र	राबर्ट नर्सिंग होम में
डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी	अशोक के फूल
पं0 दीन दयाल उपाध्याय	सिद्धान्त और नीति के सम्पादित अंश
प्रो0 जी0 सुन्दर रेड्डी	भाषा और आधुनिकता
डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम	तेजस्वी मन के संपादित अंश
जैनेन्द्र कुमार	भाग्य और पुरुषार्थ
हरिशंकर परसाई	निंदा रस
पद्य :	
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	प्रेम माधुरी, यमुना छवि
जगन्नाथ दास रत्नाकर	उद्धव प्रसंग, गंगावतरण
अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	पवन दूतिका
मैथिलीशरण गुप्त	कैकेयी को अनुताप, गीत
जयशंकर प्रसाद	गीत, श्रद्धा–मनु
सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला	बादल राग, सन्ध्या सुन्दरी
सुमित्रानन्दन पन्त	नौका बिहार, बापू के प्रति, परिवर्तन
महादेवी वर्मा	गीत
रामधारी सिंह दिनकर	अभिनय मनुष्य, पुरुरवा, उर्वशी
सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय	मैंने आहुति बनकर देखा, हिरोशिमा
नरेन्द्र शर्मा	मधु की एक बूंद
भवानी प्रसाद मिश्र	बूंद टपकी एक नभ से
गजानन माधव मुक्तिबोध	मुझे कदम–कदम पर
गिरिजा कुमार माथुर	चित्रमय धरती
धर्मवीर भारती	सांझ के बादल
कथा साहित्य	
फणीश्वरनाथ रेणु	पंचलाइट
अमरकांत	बहादुर
शिव प्रसाद सिंह	कर्मनाशा की हार
भीष्म साहनी	खून का रिश्ता
शिवानी	लाटी
खण्ड काव्य	
श्रवण कुमार	शिव बालक शुक्ल, गौतम बन्धु प्रकाशन, गुइन रोड, लखनऊ

अंग्रेजी

(पाठ्यवस्तु जो पढाये जाने योग्य है)

PROSE	○ The Last Lesson. ○ Deep water. ○ Indigo
POETRY	○ My mother at Sixty Six. ○ A thing of beauty.
SUPPLEMENTARY	○ The Tiger King. ○ On the face of it.
GRAMMER	○ Tenses. ○ Translation (English to Hindi & Hindi to English) ○ One word substitution. ○ Idioms and Phrases. ○ Figures of speech ○ Synonyms and Antonyms ○ Transformation of Sentences. ○ Direct and Indirect ○ Active and Passive voice. ○ Syntax ○ Synthesis ○ Letter Writing ○ Essay Writing

भौतिक विज्ञान

वैद्युत आवेश तथा क्षेत्र	वैद्युत आवेश, चालक तथा विद्युतरोधी, वैद्युत आवेश के मूल गुण, कूलॉम नियम, बहुल आवेशों के बीच बल, विद्युत क्षेत्र, विद्युत क्षेत्र रेखाएं, वैद्युत फ्लक्स, गाउस नियम।
स्थिर वैद्युत विभव तथा धारिता	स्थिर वैद्युत विभ, बिन्दु आवेश के कारण विभव, आवेशों के निकाय के कारण विभव, समविभव पृष्ठ, आवेशों के निकाय की स्थितिज ऊर्जा, बाह्य क्षेत्र में स्थितिज ऊर्जा, चालक– स्थिर वैद्युतिकी, संधारित्र तथा धारिता, समान्तर पट्टिका संधारित्र, संधारित्रों का संयोजन।
विद्युत धारा	विद्युत धारा, चाक में विद्युत धारा, ओम का नियम, इलेक्ट्रॉन का अपवाह एवं प्रतिरोधकता का उद्गत, ओम के नियम की सीमाएं, विद्युत ऊर्जा, शक्ति, सेल, विद्युत वाहक बल, आंतरिक प्रतिरोध, किरखोफ के नियम, व्हीटस्टोन सेतु।

गतिमान आवेश और चुम्बकत्व	चुंम्बकीय बल, चुम्बकीय क्षेत्र में गति, विद्युत धारा अवयव के कारण चुम्बकीय क्षेत्र, बायो–सावर्ट नियम, विद्युत धारावाही वृत्ताकार पाश के अक्ष पर चुम्बकीय क्षेत्र, दो समानान्तर विद्युत धाराओं के बीच बल–एम्पियर, चल कुंडली गैल्वेनोमीटर।
चुम्बकत्व एवं द्रव्य	छड़ चुम्बक, चुम्बकीय क्षेत्र रेखाएं, चुम्बकत्व एवं गाउस नियम, चुम्बकीकरण एवं चुम्बकीय तीव्रता, पदार्थों के चुम्बकीय गुण, प्रति चुम्बकत्व, अनुचुंबकत्व, लौह चुंबकत्व
वैद्युत चुंबकीय प्रेरण	फैराडे एवं हेनरी के प्रयोग, चुम्बकीय फ्लक्स, फैराडे का प्रेरण का नियम, लेंज का नियम तथा ऊर्जा संरक्षण, प्रेरकत्व
प्रत्यावर्ती धारा	प्रतिरोधक पर प्रयुक्त ac वोल्टता, प्रकरण पर प्रयुक्त ac वोल्टता, श्रेणी LCR परिपथ पर प्रयुक्त प्रयुक्त ac वोल्टता, अनुनाद ac परिपथों में शक्ति, शक्ति गुणांक, ट्रांसफॉर्मर
वैद्युत चुम्बकीय तरंग	वैद्युत चुम्बकीय तरंगें, वैद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम
किरण प्रकाशिकी एवं प्राकाशिक यंत्र	गोलीय दर्पणों द्वारा प्रकाश का परावर्तन, अपवर्तन, पूर्ण आंतरिक परावर्तन, गोलीय पृष्ठों तथा लेंसों द्वारा अपवर्तन, सूक्ष्मदर्शी, दूरदर्शक।
तरंग प्रकाशिकी	तरंगों का कला–सम्बद्ध तथा कला–असंबद्ध योग, प्रकाश तरंगों का अतिकरण तथा यंग का प्रयोग (केवल गुणात्मक व्युत्पत्ति नहीं), विवर्तन (केवल गुणात्मक अध्ययन)
विकिरण तथा द्रव्य की द्वैत प्रकृति	इलेक्ट्रान उत्सर्जन, प्रकाश–विद्युत प्रभाव, प्रकाया का तरंग सिद्धांत, आइंस्टाइन का प्रकाश–विद्युत समीकरण, प्रकाश की कणीय प्रकृति।
परमाणु	ऐल्फा कण प्रकीर्णन तथा परमाणु का रदरफोर्ड नाभिकीय मॉडल, परमाण्वीय स्पेक्ट्रम, हाइड्रोजन का बोर मॉडल (व्युत्पति नहीं)
नाभिक	परमाणु द्रव्यमान एवं नाभिक की संरचना, नाभिक का साइज, द्रव्यमान–ऊर्जा तथा नाभिकीय बंधन–ऊर्जा, नाभिकीय बल, रेडियोएक्टिवता, नाभिकीय ऊर्जा।
अर्धचालक	इलेक्ट्रॉनिकी– पदार्थ, युक्तियाँ तथा सरल परिपथ धातुओं, चालकों तथा अर्धचालकों का वर्गीकरण, नैज अर्धचालक, अपद्रव्यी अर्धचालक, P-n संधि, अर्धचालक डायोड।

रसायन विज्ञान

इकाई–1 विलयन	विलयनों के प्रकार विलयनों की सान्द्रता को व्यक्त करना विलेयता द्रवीय विलयनों का वाष्प दाब

इकाई–2 वैद्युत रसायन	वैद्युत रासायनिक सेल गैल्वेनी सेल वैद्युत अपघटनी विलयनों का चालकत्व
इकाई–3 रासायनिक बलगतिकी	आरहेनियस समीकरण रासायनिक अभिक्रिया वेग अभिक्रिया वेग को प्रभावित करने वाले कारक अभिक्रिया वेग की ताप पर निर्भरता
इकाई–4	D और f ब्लाक के तत्व
इकाई–5	उपसहसंयोजन यौगिक
इकाई–6	हैलोएल्केन और हैलोएरीन
इकाई–7	ऐल्कोहॉल,फीनॉल एवं ईथर
इकाई–8	एल्डिहाइड कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल
इकाई–9	ऐमीन
इकाई–10	जैव अणु
पृष्ठ रसायन	उत्प्रेरण कोलॉइड कोलॉइडो का वर्गीकरण इमल्शन
तत्वों के निष्कर्षण के सिद्धान्त एवं प्रक्रम	धातुओं की उपलब्धता अयस्कों का सान्द्रण धातुकर्मी के ऊष्मागतिकी सिद्धान्त आक्सीकरण, अपचयन
P ब्लॉक के तत्व	अमोनिया नाइट्रोजन के आक्साइड नाइट्रिक अम्ल फास्फोरस के अपर रूप फास्फीन
बहुलक	बहुलकों का वर्गीकरण बहुलकों के प्रकार व्यापारिक महत्व के कुछ बहुलक
दैनिक जीवन में रसायन	औषध तथा उनका वर्गीकरण

	विभिन्न वर्गों की औषधों के चिकित्सीय प्रभाव भोजन में रसायन

जीवविज्ञान

जनन	• पुष्पी पौधों में लैंगिक जनन • मानव जनन • जनन स्वास्थ्य
आनुवंशिकी और विकास	• वंशागति और विविधता • वंशागति का अणुविक आधार • विकास
जीव विज्ञान और मानव कल्याण	• मानव स्वास्थ्य और रोग • मानव कल्याण में सूक्ष्म जीव
पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण	• जीव और समष्टियां • परितंत्र संरचना • जैव विविधता एवं संरक्षण

गणित

संबंध तथा फलन	संबंधों के प्रकार : स्वतुल्य, सममित, संक्रामक तथा तुल्यता संबंध, एकैकी तथा अच्छादक फलन
आव्यूह (बीजगणित) सारणिक (बीजगणित)	संकल्पना, संकेतन, क्रम, समानता, आव्यूह के प्रकार, शून्य तथा तत्समक आव्यूह, आव्यूह का परिवर्त, सममित तथा विषम सममिति आव्यूह। आव्यूह पर क्रियाएं : योग तथा गुणन और अदिश गुणन। योग, गुणन तथा अदिश गुणन के साधारण गुणधर्म। आव्यूहो के गुणन की अक्रमविनिमेयता तथा अशून्य आव्यूहो का अस्तित्व जिनका गुणन एक शून्य आव्यूह है (क्रम 2 के वर्ग आव्यूहो तक सीमित)। व्युत्क्रमणीय आव्यूह तथा व्युत्क्रम की अद्वितीयता यदि उसका अस्तित्व है। (यहां सभी आव्यूह के अवयव वास्तविक संख्या हैं) सारणिक एक वर्ग आव्यूह का सारणिक (3 × 3 क्रम के वर्ग आव्यूह तक) सारणिक के गुणधर्म, उपसारणिक तथा सहखंड, सारणिको का अनुप्रयोग त्रिभुज का क्षेत्रफल ज्ञात करने में, सहखंडज आव्यूह तथा आव्यूह का व्युत्क्रम।
सदिश तथा त्रिविमीय ज्यामिति	सदिश : सदिश तथा अदिश, एक सदिश का परिमाण व दिशा, सदिश के दिक् कोसाइन/ दिक अनुपात, सदिशो के प्रकार, (समान, मात्रक, शून्य, समांतर तथा संरेख सदिश) किसी बिंदु का स्थित सदिश, ऋणात्मक सदिश, एक सदिश के घटक, सदिशो का योगफल,

	एक सदिश का अदिश से गुणन, दो बिंदुओं को मिलाने वाले रेखाखंड को एक दिए हुए अनुपात में बांटने वाले बिंदु का स्थित सदिश से, परिभाषा, सदिशो के अदिश गुणनफल के गुण और अनुप्रयोग, सदिशो के सदिश गुणनफल और अनुप्रयोग। त्रिविमीय ज्यामिति का परिचय दो बिंदुओं को मिलाने वाली रेखा के दिक् कोसाइन/ दिक् अनुपात, एक रेखा का कार्तीय सदिश समीकरण।
रैखिक प्रोग्रामन	रैखिक प्रोग्रामन भूमिका, संबन्धित पदों जैसे व्यवरोध, उद्देश्य फलन, ईष्टतः, हल की परिभाषाएं, रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं के विभिन्न प्रकार, रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं का गणितीय सूत्र, दो चरों में दी गई समस्याओं का आलेखीय हल
प्रायिकता	सशर्त (प्रतिबंध) प्रायिकता, प्रायिकता का गुणन नियम, स्वतंत्र घटनाएं, कुल प्रायिकता

इतिहास

भाग–1	1– भारतीय इतिहास के कुछ विषय :– ईंट, मनके तथा अस्थियां : हड़प्पा सभ्यता। राजा, किसान और नगर बन्धुत्व जाति तथा वर्ग आरम्भिक समाज विचारक, विश्वास और इमारतें : सांस्कृतिक विकास। भाग–2 यात्रियों के नजरिए : समाज के बारे में उनकी समझ भक्ति– सूफी परम्पराएं, धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धागंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक) एक साम्राज्य की राजधानी : विजयनगर (लगभग चौदहवीं से सोलहवीं सदी तक) किसान, जमींदारी और राज्य : कृषि समाज और मुगल साम्राज्य (लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं सदी)
भाग–3	उपनिवेशवाद और देहात : सरकारी अभिलेखों का अध्ययन विद्रोही और राज : 1857 का आन्दोलन और उनके व्याख्यान महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आन्दोलन सविनय अवज्ञा और उससे आगे। संविधान का निर्माण : एक नए युग की शुरूवात।

राजनीति विज्ञान

अ– समकालीन विश्व राजनीति	1. दो ध्रुवीकरण का अन्त 2. सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र 3. समकालीन दक्षिण एशिया 4. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन 5. समकालीन विश्व में सुरक्षा 6. पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन 7. वैश्वीकरण
ब– स्वतन्त्र भारत में राजनीति	1. राष्ट्रनिर्माण की चुनौतियाँ

	2. एक दल के प्रभुत्व का दौर 3. नियोजित विकास की राजनीति 4. भारत के विदेश सम्बन्ध 5. कांग्रेस प्रणाली : चुनौतियां और पुनर्स्थापना 6. लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकट 7. क्षेत्रीय आकांक्षाएं 8. भारतीय राजनीति : नए बदलाव

अर्थशास्त्र

व्यष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय	1. परिचय 2. उपभोक्ता के व्यवहार का सिद्धान्त 3. उत्पादन तथा लागत 4. पूर्ण प्रतिस्पर्धा की स्थिति में फर्म का सिद्धान्त 5. बाजार संतुलन
समष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय	• परिचय • राष्ट्रीय आय का लेखांकन • मुद्रा एवं बैंकिग • आय और रोजगार के निर्धारण • सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था • खुली अर्थव्यवस्था

भूगोल

मानव भूगोल के सिद्धान्त	1 मानव भूगोल प्रकृति एवं विषय क्षेत्र 2 विश्व जनसंख्या घनत्व, वितरण और वृद्धि 3 मानव विकास 4 प्राथमिक क्रियाएं 5 द्वितीयक क्रियाएं 6 तृतीयक एवं चतुर्थ क्रियाकलाप 7 परिवहन एवं संचार 8 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार
भारत : लोग और अर्थव्यवस्था	• जनसंख्या • मानव बस्तियां • भूसंसाधन तथा कृषि • जल संसाधन • खनिज तथा ऊर्जा संसाधन • भारत के संदर्भ में नियोजन और सतत पोषणीय विकास • परिवहन तथा संचार

	• अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार • भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएं
भूगोल में प्रयोगार्थ कार्य	1. आंकड़े– स्रोत एवं संकलन 2. आंकड़ों का प्रक्रमण 3. आंकड़ों का आलेखी निरूपण 4 स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी